

डॉ. इलेन फिलिप्स, ओल्ड टेस्टामेंट लिटरेचर, व्याख्यान 8, जैकब से जोसेफ तक

© 2024 एलेन फिलिप्स और टेड हिल्लेब्रांट

खैर, गुड मॉर्निंग। आप गुड मॉर्निंग कैसे कहते हैं? क्या किसी को गुड मॉर्निंग याद है? बोकर का मतलब सुबह होता है, है न? तो मैं आपको बोकर टोव कहने जा रहा हूँ, और आप मुझे बोकर ओर कहने जा रहे हैं। शानदार।

बहुत बढ़िया। अब हमें याद आ गया है। बस यहाँ-वहाँ थोड़ी सी कोशिश की ज़रूरत है।

टेड, ऐसा लग रहा है जैसे यह गूँज रहा है। क्या तुम चाहते हो कि मैं इसकी आवाज़ थोड़ी कम कर दूँ, या तुम इस आवाज़ से खुश हो? क्या यह हाँ या ना था? नीचे। ठीक है।

ठीक है, एक काम हो गया। मुझे लगता है कि इससे मदद मिल सकती है। परीक्षा से संबंधित घोषणाएँ यहाँ हैं।

मुझे लगता है कि वे काफी सीधे हैं। जैसा कि मैंने कुछ समय पहले कहा था, हम आज बहुत सारी सामग्री को पढ़ने की कोशिश करेंगे ताकि हम पकड़ सकें, और इसलिए, हम इसहाक जैकब और फिर जोसेफ की कहानियाँ भी पढ़ने जा रहे हैं। जैसा कि मैंने पहले कहा था, जोसेफ की कहानियाँ काफी सीधी हैं।

हम उनका परिचय देने जा रहे हैं, और फिर मैं आपको कथाओं के विवरण जानने के लिए भरोसा करने जा रहा हूँ। तो इस तरह से हम इस पर काम करने जा रहे हैं। परीक्षा के संदर्भ में, नीतियाँ ब्लैकबोर्ड पर हैं।

इस बात पर कुछ सवाल है कि आप 8.45 बजे शुरू कर सकते हैं या 9 बजे। मैं 8.45 बजे तक यहाँ पहुँच जाऊँगा, ठीक है? तो, अगर आप वाकई जल्दी शुरू करना चाहते हैं, तो मैं, भगवान की इच्छा से, 8.45 बजे तक यहाँ पहुँच जाऊँगा। मैं चाहता हूँ कि आप दीक्षांत समारोह के समय तक अपना काम पूरा कर लें क्योंकि दिनेश डिसूजा कोई मामूली वक्ता नहीं हैं। वे एक बहुत ही महत्वपूर्ण व्यक्ति हैं, और मुझे लगता है कि उस दिन दीक्षांत समारोह काफी दिलचस्प होगा। तो, हम देखेंगे कि हम क्या कर सकते हैं।

किसी भी दर पर, उत्पत्ति के अंत तक सब कुछ ठीक है। मैंने अकादमिक सहायता केंद्र में इसे लेने के बारे में किसी से कोई शब्द नहीं सुना है। यदि आपको ऐसा करने की आवश्यकता है, तो आपको मुझे आज ही बताना होगा ताकि मैं आपके लिए वहाँ परीक्षा ले सकूँ।

परीक्षा में किस तरह के नक्शे होंगे, इस बारे में एक सवाल आया। ऐसा कोई नक्शा नहीं होगा जो आपके सामने हो, ठीक है? ऐसा कुछ नहीं है। लेकिन आपको नक्शों की विषय-वस्तु जानने की ज़रूरत है, ठीक है? आपको यह जानने की ज़रूरत है कि हमने प्राचीन निकट पूर्व, मेसोपोटामिया, मिस्र, अनातोलिया, उन सभी चीज़ों के भूगोल के बारे में क्या बात की है।

आपको यह सब जानना होगा। तो, इसे अपने दिमाग में बिठा लें, और फिर उन चीज़ों को भी जो इज़राइल की भूमि और कुलपतियों से जुड़ी हैं क्योंकि वे इज़राइल की भूमि में काम कर रहे हैं। वे महत्वपूर्ण होंगे।

अब, क्या इस पर कोई सवाल है? ठीक है। हाँ, सारा। इसमें प्राचीन निकट पूर्व की चीज़ों को शामिल किया जाएगा, जाहिर है, क्योंकि अब्राहम की पृष्ठभूमि यही है।

तो, प्राचीन निकट पूर्व मानचित्र से सामग्री जानें, लेकिन कुछ चीज़ें ऐसी होंगी जो इज़राइल पर भी केंद्रित होंगी। विचार यह जानना है कि जब हमने अपना ऐतिहासिक भूगोल व्याख्यान दिया था, तो हमने क्या पढ़ा था। मुझे लगता है कि इससे आपको मदद मिलेगी।

परीक्षा सामग्री पर कोई अन्य प्रश्न? हाँ, निक। ब्लैकबोर्ड पर पीडीएफ प्रारूप में तीन मानचित्र पोस्ट किए गए हैं। आप उन्हें डाउनलोड कर सकते हैं और फिर उस मानचित्र असाइनमेंट पर काम कर सकते हैं जो पाठ्यक्रम में भी है।

पाठ्यक्रम सामग्री के अंतर्गत देखें। वह सब सामान वहाँ है, ठीक है? तो इससे आपको मदद मिलनी चाहिए। और कुछ? मैं यह सुनिश्चित करना चाहता हूँ कि हम सभी इस परीक्षा में एक ही पृष्ठ पर हों।

खैर, आइए हम साथ मिलकर प्रार्थना करने के लिए कुछ समय निकालें। दयालु परमेश्वर, हमारे स्वर्गीय पिता, जैसा कि हम इस घंटे को एक साथ शुरू करते हैं, हम आपको फिर से धन्यवाद देते हैं। हम जानते हैं कि वे सभी चीज़ें जिनका हम आनंद लेते हैं और जिन्हें हम अक्सर अनदेखा कर देते हैं, वे आपके अच्छे हाथों से हैं।

और यहां तक कि वे चुनौतियाँ भी जिनके माध्यम से हम आपकी आत्मा द्वारा दृढ़ रहना चाहते हैं, वे चुनौतियाँ हैं जो आप हमारे चरित्र को विकसित करने के लिए लाते हैं। पिता, हम आपसे प्रार्थना करते हैं कि आप हमें सिखाएँ, अपने वचन और अपनी आत्मा का उपयोग करके हमें वे बातें सीखने में मदद करें जो आप चाहते हैं कि हम आज जानें। और इसलिए हमारा अध्ययन वास्तव में आपकी उपस्थिति में आराधना हो।

हम पहले की तरह ही अपने आसपास के लोगों के लिए भी प्रार्थना करते हैं। हम देश में अपने नेताओं के लिए बुद्धि की प्रार्थना करते हैं। हम दुनिया के उन संकटग्रस्त क्षेत्रों के लिए फिर से प्रार्थना करते हैं जो घर्षण, तनाव और हिंसा से भरे हुए हैं।

कृपया, अपनी आत्मा से, उन शत्रुताओं को दूर करें। पिता, अब हम आपको अपना मन, अपना हृदय अर्पित करते हैं। और हम प्रार्थना करते हैं कि इस दिन आपके नाम का सम्मान और आशीर्वाद हो।

हम यीशु के नाम से प्रार्थना करते हैं। आमीन। खैर, चलिए पिछली बार की समीक्षा पर चलते हैं।

क्योंकि इसहाक और याकूब की बात करने के लिए, हमें बस खुद को उन बातों की याद दिलाने की ज़रूरत है जिनके बारे में हम इसहाक के बारे में बात कर रहे थे। हम इसहाक के बारे में ज्यादा समय नहीं बिताएँगे। लेकिन दूसरी ओर, जब हमने पिछली बार इस बारे में बात करना शुरू किया था, तो उसके साथ जो मुख्य बातें हुईं, उनमें से एक यह थी कि उसने स्वेच्छा से खुद को पेश किया, अगर आप इसे उन शब्दों में रखना चाहते हैं जब अब्राहम को परमेश्वर ने मोरिया के क्षेत्र में इसहाक को होमबलि के रूप में चढ़ाने का आदेश दिया था।

हमने इसहाक और यीशु के मोरिया के क्षेत्र में जाने के बीच कुछ संभावित समानताओं के बारे में बात की, जो कि, जैसा कि हम जानते हैं, यरूशलेम है, और विशेष रूप से मोरिया के पहाड़ उस क्षेत्र में होंगे जहाँ बाद में मंदिर बनाया गया था। और फिर, बेशक, हमारे पास इसहाक के रूप में बहुत स्पष्ट रूप से अब्राहम का बेटा, इकलौता बेटा, प्रिय बेटा, इसहाक है, जो यहाँ से होकर आता है। और फिर इसहाक यहाँ तक जाता है कि जब वे वहाँ जा रहे होते हैं तो लकड़ी उठाकर ले जाता है, संभवतः यीशु द्वारा क्रूस उठाए जाने के समानांतर।

फिर से, आप इन संकेतों को कितना आगे बढ़ाना चाहते हैं, यह आप पर निर्भर करता है, लेकिन मुझे नहीं लगता कि हम उन्हें नज़रअंदाज़ करना चाहेंगे क्योंकि वे बहुत दिलचस्प हैं। और फिर, बेशक, एक महत्वपूर्ण प्रतिस्थापन है जो तब किया जाता है जब राम को भी प्रतिस्थापित किया जाता है। यह मेरी कई पसंदीदा रेम्ब्रांट पेंटिंग्स में से एक है, और मुझे लगता है कि हम बस आगे बढ़ेंगे।

हमने अन्य सत्रों में इसकी प्रशंसा करते हुए थोड़ा समय बिताया, लेकिन अब हम आगे बढ़ते हैं। मानचित्र संबंधी उन बातों को ध्यान में रखते हुए, जिन पर हम कई बार चर्चा कर चुके हैं, आज हमारे उद्देश्यों के लिए, हम वास्तव में यहाँ के क्षेत्र में रुचि रखते हैं, नेगेव क्षेत्र, क्योंकि, निश्चित रूप से, इसहाक और अब्राहम पहले कनानाइट क्षेत्र के किनारे पर स्थित थे। हेब्रोन महत्वपूर्ण होने जा रहा है। शेकेम, दोतान और इनमें से कुछ चीजें हमारे पहाड़ी क्षेत्र में ही हैं।

और फिर, बेशक, जब याकूब अपने भाई एसाव के क्रोध से भागता है, तो वह इस दिशा में भागता हुआ, पद्मन अराम जाता है, अपने पुराने गृहनगर या मातृभूमि की ओर वापस जाता है, अगर आप चाहें तो। तो यही वह दिशा है जिस पर हम जा रहे हैं। जब हम इसहाक के बारे में सोचते हैं, तो हम बहुत कुछ कह सकते हैं, लेकिन हमारे उद्देश्यों के लिए, चूँकि हमारे पास करने के लिए बहुत कुछ है, मैं चाहूँगा कि आप उसे एक धुरी के रूप में सोचें।

और जैसा कि आप जानते हैं, एक काज एक ऐसी चीज है जो एक अत्यंत महत्वपूर्ण तरीके से, बड़ी चीजों को एक साथ रखती है। तो, एक तरफ, आपके पास एक दरवाजा है; दूसरी तरफ, आपके पास एक दीवार है, और बीच में काज है। और अगर आप उस आकृति के बारे में सोचना चाहते हैं, तो हमारे पास अब्राहम है, जो वाचा के लोगों का पिता है, और हम पिछली बार परमेश्वर द्वारा वाचा के बारे में निरंतर तरीके से व्यक्त किए जाने के संदर्भ में उससे गुजर चुके हैं।

और फिर, बेशक, अध्याय 23 में ध्यान दें, जिस पर हम कोई समय नहीं बिताने जा रहे हैं, लेकिन बस, इसके अलावा, बस ध्यान दें कि जब अब्राहम की पत्नी सारा, 127 वर्ष की आयु में मर जाती

है, तो अब्राहम हिती एप्रोन से ज़मीन का एक टुकड़ा खरीदता है। इसलिए, अब उसके पास ज़मीन है। यह एक छोटा सा टुकड़ा है।

यह एक छोटा सा पार्सल है, लेकिन फिर भी, यह उस चीज की शुरुआत है जो आगे चलकर एक बहुत बड़ी भूमि अनुदान बन जाएगी, अगर आप चाहें तो। और फिर, बेशक, दूसरी तरफ, हमारे पास जैकब है, जिसके साथ हम आज काफी समय बिताने जा रहे हैं। माफ़ करें।

जैसा कि हम अध्याय 32 में देखेंगे, याकूब का नाम बदलकर इस्राएल रखा गया, और इस संबंध में कुछ दिलचस्प मुद्दे हैं। और फिर उसके 12 बेटे होंगे, जो इस्राएल के कबीले बनेंगे। तो, आप जानते हैं, दो प्रमुख पात्र।

हाँ, जिंजर। अच्छा। हाँ।

और मैं उस पर आऊंगा। लेकिन हाँ, आप उन्हें जानना चाहते हैं। आप उन्हें जानना चाहते हैं।

बस हमारे काज के बारे में थोड़ा और बात करने के लिए, यहाँ काज पर कुछ और मिनट, वे बातें जो हम इसहाक के बारे में जानना चाहते हैं। बेशक, हम पहले से ही वेदी पर बंधे होने के बारे में बात कर रहे हैं। वह अपने पिता और अपने पिता के नौकर की व्यवस्था से, जो रिबका को खोजने के लिए यात्रा करता है, रिबका से शादी करता है।

इस कथा के बारे में मैं तीन बातें कहना चाहता हूँ। हम और भी बहुत कुछ कह सकते हैं, लेकिन तीन बातें। मुझे लगता है कि ट्रेवर ने सवाल पूछा था, क्या आपने ही पिछली बार शपथ के साथ हाथ को जांघ के नीचे रखने के प्रतीकवाद के बारे में सवाल पूछा था? किसी ने यह सवाल पूछा था।

वह तुम थे, एंड्रयू। हाँ, ठीक है। जब अब्राहम कहता है, अपना हाथ मेरी जांघ के नीचे रखो और शपथ लो, तो वहाँ क्या कहा जा रहा है, मूल रूप से, यह आपके जननांगों के लिए एक व्यंजना है, ठीक है? लेकिन जो कहा जा रहा है वह यह है कि जीवन के स्रोत के बाद, सबसे महत्वपूर्ण, आप जानते हैं, यह वादा बीज के लिए है।

यह वचन संतान के लिए है। यह वचन है कि आगे चलकर एक पूरी वंशावली आने वाली है। और इसलिए, उस संदर्भ में, यह शपथ कुछ काफी महत्वपूर्ण अर्थ लेती है।

आपको मेरे बेटे के लिए एक पत्नी लाने की ज़रूरत है ताकि वादा जारी रह सके। आप जानते हैं, वैसे, इसे कैसे समझा जाए, इस पर बहुत सारे सवाल हैं, लेकिन मुझे लगता है कि इसे पढ़ने का शायद यही सबसे अच्छा तरीका है। तो, धन्यवाद। माफ़ करना, ट्रेवर। यह एंड्रयू था।

दूसरी बात जो मैं उस विवाह अध्याय के बारे में कहना चाहता हूँ, वह यह है कि, क्या आपने देखा कि यह कितना लंबा था? यह अध्याय आगे और आगे और आगे बढ़ता है, है न? सबसे पहले, आपके पास वह सब कुछ है जो हुआ, और फिर नौकर वहाँ आता है, और वह पूरी बात को बहुत सारे विवरणों के साथ फिर से दोहराता है।

यह सिर्फ संयोग नहीं है। जब किसी कहानी में ऐसी कोई घटना घटती है, तो उसमें कुछ महत्वपूर्ण बात होनी चाहिए। हमें यह जानना चाहिए कि यह सब ईश्वर की योजना के अनुसार है।

इसे दिखाने का एक साहित्यिक तरीका इसे दोहराना है। यह लगभग दो गवाहों के मुंह से निकला हुआ है, एक ऐसा विषय जिसे हम फिर से कई बार देखने जा रहे हैं। लेकिन पाठ खुद इस तथ्य के कई गवाह देता है कि यह इसहाक के लिए पत्नी के मामले में परमेश्वर की पसंद है।

अब, तीसरी बात जो हम इस बारे में कहना चाहते हैं - वास्तव में, चार हैं। तीसरी बात जो हम इस बारे में कहना चाहते हैं वह यह है कि मुझे आशा है कि आपने यह भी देखा होगा कि रेबेका किस तरह की महिला है। जब वह नौकर आता है, तो उसके पीछे उसकी गाड़ी में कितने ऊँट होते हैं? क्या आपने उस छोटी सी बात पर ध्यान दिया? चेल्सी? मुझे लगता है कि यह 10 है।

क्या यह 12 है? मुझे लगता है कि यह 10 है। हम वापस जाकर जाँच कर सकते हैं। उसके पास कई ऊँट हैं।

एक बार जब ऊँट को पानी पिलाया गया - और वैसे, हम ऊँटों के बारे में बात करने में बहुत समय बिता सकते हैं क्योंकि वे इस संदर्भ में बहुत दिलचस्प प्राणी हैं कि वे किस तरह से इस संदर्भ में बहुत अच्छे हैं। लेकिन अगर ऊँट को पानी के बिना काफी समय तक रहना पड़ा है, तो वह एक झटके में 25 गैलन पानी पी सकता है। इसलिए, जैसा कि पाठ में कहा गया है, वह इन ऊँटों को पानी पिला रही थी, वह आगे-पीछे और आगे-पीछे और आगे-पीछे जा रही थी क्योंकि अगर 10 ऊँट हैं, तो यह 250 गैलन पानी है।

इसके लिए थोड़ी मेहनत करनी पड़ती है। और रेबेका तुरंत ही दिखा देती है कि वह एक खास तरह की ऊर्जा वाली इंसान है। वह एक ऐसी इंसान भी है जिसके अंदर एक खास तरह की साहसिक भावना है क्योंकि वह इन लोगों के साथ तुरंत जाने को तैयार रहती है, अक्सर ऐसी जगह पर जिसे वह जानती तक नहीं।

और फिर, बेशक, इस कहानी के बारे में हम जो आखिरी बात कहना चाहते हैं, वह अध्याय 24 के अंत में, श्लोक 67 में है, जब वह वहाँ पहुँचती है, तो इसहाक उसे अपनी माँ, सारा के तम्बू में ले आता है। उसने उससे शादी की। वह उसकी पत्नी बन गई, और वह उससे प्यार करता था।

यह कथन अक्सर नहीं दिखाई देता। मुझे लगता है कि डॉ. विल्सन ने अपनी किताब में इस पर थोड़ा ज़ोर दिया है। वह उससे प्यार करते थे।

और इसलिए, हम एक दिलचस्प विवाह संबंध देखते हैं। तीन कुलपिताओं पर ध्यान दें; यह वह है जहाँ केवल एक पत्नी है। जैकब के मामले में अन्य लोगों के पास उपपत्नी और कई पत्नियाँ हैं।

खैर, इसहाक के जीवन के दौरान, हमने कई बार वादा दोहराया। दूसरे शब्दों में, परमेश्वर ने अब्राहम से जो वादा किया था, उसे इसहाक को फिर से बताया गया। इसलिए, हम जानते हैं कि इसमें एक निरंतर वादा और निरंतरता है।

और फिर, बेशक, हम उसे याकूब और एसाव के जीवन की घटनाओं में भाग लेते हुए देखते हैं, जिस पर हम थोड़ी देर में नज़र डालने जा रहे हैं। बस एक छोटी सी बात, अब्राहम के और भी बेटे हैं, जैसा कि हम अध्याय 25 में पढ़ते हैं। वह इश्माएल और मिद्यान और कुछ अन्य लोगों का भी पिता होगा।

यह तब महत्वपूर्ण होगा जब हम इश्माएलियों और मिद्यानियों के बारे में बात करना शुरू करेंगे, लेकिन ऐसा होगा। खैर, वास्तव में, यह आज बाद में होने वाला है। मैं भूल जाता हूँ कि हम यहाँ व्याख्यानों को संक्षिप्त कर रहे हैं।

ठीक है। सबसे पहले, जैकब पर ध्यान दें। इस कहानी को पढ़ते समय आप जो कुछ देखेंगे, वह यह है कि यह कहानी बहुत तनाव से भरी हुई है।

जैकब की कहानी तनाव की कहानी है। यह संघर्ष की कहानी है। इसमें बहुत दर्द शामिल है।

और संक्षेप में, आप जानते हैं, याकूब को जो भी आशीर्वाद दिए गए हैं, वह वास्तव में उसके जीवन के अधिकांश भाग के लिए नहीं है क्योंकि ये सभी भयानक चीजें हो रही हैं। उसी समय, परमेश्वर हस्तक्षेप करता रहेगा, और वह समय-समय पर याकूब का सामना करेगा, निश्चित रूप से कुशती के साथ। तो, इन दो कारकों को आपस में जुड़ते हुए देखें।

यह बहुत बढ़िया कहानी है। सबसे पहले, जन्म और भविष्यवाणी। पहली बात जो आप कहना चाहते हैं, वह यह है कि यहाँ हमारे पास एक बांझ महिला का मामला है।

क्या यह एक विषय की तरह लग रहा है? और यह केवल एक ही विषय नहीं है। यह जारी रहने वाला है। यहाँ एक उप-पाठ यह है, मैं सुझाव दूंगा, कि हमें यह जानना चाहिए कि चुने हुए लोगों की यह चुनी हुई पंक्ति बहुत स्पष्ट रूप से ईश्वर की रचना है क्योंकि महिलाएँ तब तक बांझ हैं जब तक ईश्वर हस्तक्षेप नहीं करते।

इस मामले में एक प्रार्थना की गई है, और कुछ व्याख्यात्मक बातें भी हैं। भगवान यहाँ हस्तक्षेप कर रहे हैं। अगर मुझे सही से याद है, तो इसमें 20 साल लग गए।

अध्याय 25, श्लोक 10 में इसहाक की उम्र 40 साल है। जब रिबका जुड़वाँ बच्चों को जन्म देती है, तब वह 60 साल का होता है। इसलिए, फिर से, उन्हें कुछ समय तक इंतज़ार करना पड़ता है।

और जैसा कि आप इस कहानी को पढ़कर जानते हैं, जन्म प्रक्रिया में भी, हमारे पास कुछ तनाव रहता है, है न? श्लोक 24, अध्याय 25. जब उसके जन्म का समय आया, तो उसके गर्भ में जुड़वाँ लड़के थे। सबसे पहले जो बाहर आया वह लाल था, और उसका पूरा शरीर बालों वाले कपड़े जैसा था।

उन्होंने उसका नाम एसाव रखा। इसके बाद, उसका भाई एसाव की एड़ी पकड़े हुए बाहर आया। तो आप साहित्यिक दृष्टिकोण से उस कहानी में पकड़ के संदर्भ में तनाव की शुरुआत पहले ही देख सकते हैं।

याकूब का नाम हिब्रू में याकोव है, और इसका मतलब है पकड़ना, पकड़ना या थामे रखना। इसका मतलब धोखा भी हो सकता है, और ये दोनों ही शब्द काफी हद तक सही बैठते हैं।

खैर, अब हमें थोड़ा पीछे जाना होगा, रेबेका ने प्रभु से जो पूछताछ की है। और मैं इसे भी पढ़ना चाहता हूँ। इसहाक द्वारा उसके लिए प्रार्थना करने के बाद वह गर्भवती हो जाती है।

और श्लोक 22 में, बच्चे उसके भीतर एक दूसरे से टकरा रहे थे, और उसने पूछा, ऐसा क्यों हो रहा है? इसलिए, वह पूछताछ करने जाती है। और यहाँ प्रभु का कथन है। अब, शायद आप यह सब पहले से ही जानते हों, लेकिन हमें इस पर थोड़ा ध्यान देना होगा।

तुम्हारे गर्भ में दो राष्ट्र हैं। तुम्हारे भीतर से दो लोग अलग हो जाएंगे। एक दूसरे से ज़्यादा मज़बूत होगा, और आखिरी लाइन, ज़ाहिर है, पंचलाइन है।

बड़ा भाई छोटे भाई की सेवा करेगा। बड़ा भाई छोटे भाई की सेवा करेगा। यह क्यों महत्वपूर्ण है? इसके कम से कम दो कारण हैं कि यह इतना महत्वपूर्ण क्यों है।

खैर, शायद इससे ज़्यादा भी हो, लेकिन हमारे प्रयास से कम से कम दो कारण हैं कि इस पर ध्यान देना ज़रूरी है। सारा, क्या आपके पास कोई विचार है? अच्छा, और इस मामले में, और यह हमारा एकमात्र या हमारा आखिरी मामला नहीं होगा जहाँ छोटे को बड़े से आगे रखा जाता है, लेकिन यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, और जैसा कि आप जानते हैं, प्रेरित पौलुस, और मुझे लगता है कि मैं यहाँ रोमियों 9 के बारे में कुछ कहना चाहता हूँ, है न? हाँ, रोमियों 9 में, पौलुस यही बात कहता है। वह कहता है कि चुनाव में खड़े होने के लिए परमेश्वर के उद्देश्यों के लिए, रेबेका को उसके बच्चों के जन्म के समय बताया गया था कि बड़ा छोटे की सेवा करेगा ताकि उनके पास कोई ऐसा काम न हो जिससे वे घमंड कर सकें।

दूसरे शब्दों में, कोई यह नहीं कह पाएगा कि, ओह, मैंने भगवान को चुना। यह ऐसी बात नहीं है, या मैं इतना अच्छा हूँ कि भगवान को मुझे चुनना पड़ा, है न? यह उनके जन्म से पहले ही हो जाता है कि भगवान यह चुनाव करते हैं। इसलिए, पॉल इस पर बहुत स्पष्ट बात कहने जा रहे हैं।

यह शुक्रवार के लिए आपके विस्तृत निबंध में लगभग तीन वाक्य हो सकते हैं। जब हम चुनाव के बारे में बात कर रहे हैं तो यह वास्तव में एक महत्वपूर्ण मुद्दा है, पॉल इसके साथ क्या करता है। यह कथन एक अन्य कारण से भी महत्वपूर्ण है।

ट्रेवर। हाँ, वह होगा। वह एप्रेम और मनश्शे के साथ होगा, बिल्कुल।

लेकिन इसहाक और रिबका के संदर्भ के बारे में सोचें और उस कथन को देखें। केट। हाँ।

खैर, हाँ, हालाँकि उस मामले में, वे तकनीकी रूप से पूर्ण भाई नहीं हैं क्योंकि, बेशक, इश्माएल का जन्म हागर से हुआ है। लेकिन इसहाक को अपने रडार स्क्रीन पर रखें, और चलिए थोड़ा आगे बढ़ते हैं। मैं बस एक छोटा सा परिदृश्य बताऊंगा। हमारे पास इसे विशेष रूप से देखने का समय नहीं है, लेकिन आपको यह आभास होता है कि इसहाक और रेबेका के बीच एक अच्छा रिश्ता है।

मुझे पता है कि हम सभी रिश्तों के बारे में बात कर रहे हैं, है न? आस-पास बहुत सी दूसरी महिलाएँ नहीं हैं। इसके अलावा, जब इसहाक का पलिशियों के राजा के साथ फिर से यह दिलचस्प मामला होता है, तो यह अब्राहम द्वारा पहले किए गए काम की तरह होता है, जिसके बारे में हम सोमवार को बात कर चुके हैं, वहाँ एक जगह है जहाँ पलिशियों का राजा बाहर देखता है और इसहाक को रेबेका को दुलारते हुए देखता है। दिलचस्प बात यह है कि यह शब्द मिल्ज़ाहेक है, जो उसके नाम, इसहाक, यित्ज़चक के साथ मेल खाता है।

किसी भी तरह से, इससे हमें पता चलता है कि उनके रिश्ते में कुछ अंतरंगता है। अब, मैं ऐसा क्यों कह रहा हूँ? मेरा सुझाव है कि जब प्रभु ने रेबेका को इन दो जुड़वाँ बच्चों की प्रकृति के बारे में यह बहुत स्पष्ट घोषणा की है जो पैदा होने वाले हैं, तो उसने शायद इस जानकारी को इसहाक के साथ साझा किया होगा। इसे चुप रखना थोड़ा मुश्किल होगा।

तो, मुझे पता है कि मैं पंक्तियों के बीच पढ़ रहा हूँ, लेकिन मुझे लगता है कि पंक्तियों के बीच पढ़ना उचित है। मैं सुझाव दूंगा कि वे दोनों रेबेका को दिए गए इस भविष्यवाणी कथन की प्रकृति से पूरी तरह अवगत थे, जो कि, अंतिम पंक्ति में, बड़ा छोटे की सेवा करने जा रहा है। अब, जब हम अध्याय 27 पर पहुँचते हैं और एसाव को आशीर्वाद देने के अपने प्रयासों के संदर्भ में इसहाक क्या करता है, तो इसे ध्यान में रखें।

मैं सुझाव दूंगा कि वह सीधे उस बात का खंडन कर रहा है जिसे वह जानता था कि ईश्वर का इरादा क्या है। लेकिन हम इस पर थोड़ी देर में बात करेंगे। मुझे जैकब के बारे में कुछ और बातें कहने की ज़रूरत है।

सबसे पहले, जैसा कि मैंने कुछ समय पहले कहा था, याकूब या जैकब शब्द का अर्थ वास्तव में एड़ी पकड़ना है, लेकिन इसका अर्थ धोखा देना भी है। और उसके वयस्क जीवन के अधिकांश समय में झूठ बोलने और धोखा देने का एक पैटर्न रहा है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या वह शुरू से ही एक बुरा छोटा प्राणी है? वैसे, इस पर बहुत बहस है।

साथ ही, मुझे लगता है कि अगर मुझे सही से याद है तो आपकी NIV इस न्याय को पूरा नहीं करती है। अध्याय 25, श्लोक 7 में, लड़के बड़े हो गए। एसाव एक कुशल शिकारी बन गया, जो खुले मैदान का आदमी था।

याकूब एक शांत व्यक्ति था। यह हिब्रू का NIV अनुवाद है, इश, जिसका अर्थ है मनुष्य, तम, जिसका अर्थ है संपूर्ण, संपूर्ण। कभी-कभी, ईमानदारी का व्यक्ति तम द्वारा फंसाया जाता है या इरादा किया जाता है, क्षमा करें, तम द्वारा।

तो, अगर यह कथन याकूब के संदर्भ में कहा जा रहा है, और जैसा कि हम जानते हैं, जब उसकी माँ ने पहली बार इसहाक की एसाव को आशीर्वाद देने की गलत धारणा को सही करने के लिए यह छोटी सी योजना सुझाई, तो याकूब इसके बारे में बहुत सावधान था, है न? वह चिंतित था। अब, शायद यह उसकी अपनी त्वचा के लिए चिंता का विषय है, लेकिन फिर भी, वह पूरी तरह से इसके पक्ष में नहीं है। वह उसे ऐसा करने के लिए राजी करती है।

हम थोड़ी देर में उस पर वापस आएं। तो फिर से, जैसा कि हम देख सकते हैं, हम सभी के लिए, हमारे पास विश्वास और वफ़ादारी और ईश, तम जैसी चीज़ों का मिश्रण है, लेकिन मैं हमारे स्वभाव के कुछ अन्य गिरे हुए हिस्सों से जूझ रहा था। मुझे जन्मसिद्ध अधिकार के बारे में भी कुछ कहना है।

अध्याय 25 के अंत में यही हो रहा है। श्लोक 29 में, याकूब कुछ खिचड़ी पका रहा था। एसाव अंदर आता है और कहता है, मुझे भूख लगी है।

जल्दी करो, मुझे भी कुछ बता दो। खैर, तुम्हारा NIV क्या कहता है? लाल स्टू। बढ़िया अनुवाद। मैं तुम्हें हिब्रू लेने के लिए राजी करने की कोशिश कर रहा हूँ, है न? यही बात है।

मैं तुम्हें हिब्रू भाषा सीखने के लिए राजी करने की कोशिश कर रहा हूँ। एसाव जो माँग रहा है, वह लाल, लाल रंग है। मुझे भी लाल, लाल रंग का कुछ दे दो।

अब, हम सीखते हैं कि याकूब वास्तव में दाल का स्टू पका रहा है। इसका रंग लाल हो सकता है। लेकिन एसाव उस लाल, लाल रंग में से कुछ माँग रहा है, और कुछ टिप्पणीकारों का सुझाव है कि शायद वह सोच रहा है कि यह कुछ ऐसा है जो रक्त बलिदान के किसी प्रकार के बुतपरस्त अनुष्ठान से संबंधित है, जिसके बारे में उसे लगता है कि याकूब इसमें शामिल है, और वह इसका हिस्सा बनने के लिए कह रहा है।

मुझे नहीं पता। मैं बस इतना कह रहा हूँ कि आप जानते हैं, यह एक अजीब शब्द है। यह दो है, यह लाल, लाल शब्द का दो बार उपयोग है, और इसलिए शायद यही हो रहा है।

लेकिन किसी भी हालत में, याकूब कहता है, मुझे अपना पहिलौठे का अधिकार बेच दो। और जैसा कि हम देखते हैं, खासकर जब हम इब्रानियों 12 पढ़ते हैं, एसाव कहता है, मेरे लिए पहिलौठे के अधिकार का क्या फायदा? याकूब उसे कुछ रोटी देता है, और फिर यह कहता है कि वह उसे दाल का चूरा देता है, जो कि एसाव नहीं माँग रहा था। यह वह नहीं है जो एसाव माँग रहा था।

वैसे भी, वह खाता है, पीता है, उठता है, चला जाता है, और यह कहता है कि वह अपने जन्मसिद्ध अधिकार का तिरस्कार करता है। वह किसका तिरस्कार कर रहा है? खैर, चलिए शुरू करते हैं। जन्मसिद्ध अधिकार में निम्नलिखित में से कुछ बातें शामिल थीं, और इस पर टिके रहें क्योंकि यह न केवल याकूब और एसाव के साथ बल्कि बाद में भी महत्वपूर्ण होने वाला है।

दोहरी विरासत। इसका मतलब है कि दो बच्चे हैं, और पिता की विरासत तीन भागों में विभाजित है, और बड़े को उन तीन भागों में से दो मिलते हैं, और आप सोच रहे हैं, ठीक है, यह अनुचित है।

यह बहुत बड़ी रकम है, है न? नेतृत्व, शक्ति। खैर, यह सौदा है। इस व्यापक सांस्कृतिक संदर्भ और हिब्रू संस्कृति में, आपके पास छोटे परिवार नहीं थे।

आपके पास विस्तृत परिवार थे। इसे बेट एवी कहा जाता है, जो कबीले से ठीक पहले का स्तर है। तो, यह एक विस्तृत परिवार है।

इसमें नौकर शामिल हैं। इस पर नेतृत्व करने वाले व्यक्ति के लिए यह एक महंगा प्रस्ताव है, और इस दोहरी विरासत का एक हिस्सा वित्तीय दायित्वों को पूरा करने या उस मुखिया होने के वित्तीय दायित्वों को पूरा करने के लिए अभिप्रेत है। तो यह वहाँ क्या हो रहा है इसका एक हिस्सा है।

ऐसा लगता है कि इसमें कुछ धार्मिक महत्व भी शामिल था, और, बेशक, जैसा कि हम अध्याय 25 में एसाव के समापन कथन को देखते हैं, एसाव ने पहिलौठे के अधिकार को तुच्छ जाना, और इब्रानियों अध्याय 12 में एसाव द्वारा पहिलौठे के अधिकार को तुच्छ जाने के बारे में कुछ बहुत ही गंभीर बातें कही गई हैं। आप इसे थोड़ी देर बाद देख सकते हैं। यह अध्याय 12 के अंत में कुछ और बातों की ओर ले जाता है जो प्रभु का भय मानने से संबंधित हैं।

ठीक है, क्या आपको सब समझ में आया? मुझे पता है कि मैंने आपके व्याख्यान की रूपरेखा के ऊपर वह पीली चीज़ डाल दी है, इसलिए मैं आपको इसे समझने के लिए बस एक मिनट देता हूँ। एसाव जन्मसिद्ध अधिकार को तुच्छ समझता है। इसलिए, हमारे पास जन्मसिद्ध अधिकार और आशीर्वाद दोनों हैं, और मुझे आपको यह बताना होगा, अगर आपको अभी तक यह समझ में नहीं आया है, तो वे दो अलग-अलग चीज़ें हैं।

जन्मसिद्ध अधिकार और आशीर्वाद दो अलग-अलग चीज़ें हैं। ठीक है, आइए आशीर्वाद प्राप्त करने और आशीर्वाद देने की साजिश पर नज़र डालें। पहली बात जो हमें अपने दिमाग में रखनी चाहिए, वह वही है जो मैं थोड़ी देर पहले कहने की कोशिश कर रहा था।

इस प्रस्ताव में न तो इसहाक और न ही रेबेका लिली व्हाइट है क्योंकि, जैसा कि मैंने सुझाया, इसहाक जानबूझकर एसाव को आशीर्वाद देने के बारे में है, और हम जानते हैं कि एसाव इसहाक का पसंदीदा है। हम ऐसा क्यों कहते हैं? यदि आप अध्याय 27 पर जाएं, जब याकूब इसहाक की उपस्थिति में आता है और इसहाक सोचता है कि वह एसाव है, तो ध्यान दें कि वह क्या कहता है। मैं श्लोक 27 से शुरू कर रहा हूँ।

“आह, मेरे बेटे की खुशबू।” श्लोक 28, “भगवान तुम्हें स्वर्ग का हक दे, पृथ्वी की सम्पत्ति।” श्लोक 29 यहाँ असली कुंजी है। “जाति जातियाँ तुम्हारी सेवा करें, राष्ट्र तुम्हारे सामने झुकें। अपने भाइयों पर प्रभु बनो।” फिर से, मैं सुझाव दे रहा हूँ कि भले ही इसहाक रेबेका की पूछताछ के जवाब में भविष्यवाणी कथन की सामग्री जानता था, वह यह कथन उस व्यक्ति से कहता है जिसे वह एसाव समझता है, और इसलिए वह ऐसा करने का इरादा रखता है।

यह सिर्फ आशीर्वाद का आशीर्वाद नहीं है। यह एक आशीर्वाद है, खास तौर पर, एसाव को पहले स्थान पर रखना। अब, जाहिर है, यह जानते हुए भी, रेबेका को कोई बेहतर नहीं मिलता क्योंकि वह खाल और अन्य चीजों के साथ धोखे की पूरी योजना बनाती है और जैकब से कहती है, तुम्हें पता है, मैं सामान पकाऊँगी।

आप बस इसे वहाँ ले जाते हैं और आपको आशीर्वाद मिलता है क्योंकि आपको यह मिलना चाहिए। और वह जानती थी कि आपको यह मिलना चाहिए। उसे यह मिलना चाहिए था।

तो, जैकब भाग लेता है और अगर उसने पहले से ही शुरू नहीं किया है, तो लोगों को धोखा देने की उस जीवन पद्धति में प्रवेश करना शुरू कर देता है, जिसे वह जारी रखता है। यह एक बहुत ही दिलचस्प बात है। मैंने इसे पहले ही पढ़ लिया है।

इसहाक ने उस व्यक्ति को आशीर्वाद दिया जिसे उसने एसाव समझा था, "अपने भाइयों पर शासन करो।" यह एक बहुत ही गंभीर कथन है। बेशक, जैसा कि आप जानते हैं, जब एसाव प्रकट होता है, तो इसहाक, ठीक है, वह शायद डरे हुए लोगों का मिश्रण है। ध्यान दें कि श्लोक 33 में कहा गया है कि इसहाक हिंसक रूप से कांप रहा था।

यह क्रोध के कारण हो सकता है क्योंकि उसे धोखा दिया गया है, या यह भय के कारण हो सकता है, यह पहचानते हुए कि यहाँ कुछ बड़ा हो रहा है और परमेश्वर के विचार को पुनर्व्यवस्थित करने के लिए उसके पास जो योजनाएँ थीं, वे बहुत अच्छी तरह से काम नहीं कर रही हैं। लेकिन किसी भी हालत में, एसाव कहता है, "कृपया मुझे आशीर्वाद दें।" वह यह भी कहता है, "क्या उसका नाम याकूब सही नहीं है?" श्लोक 36, "उसने मुझे इन दो बार धोखा दिया है, "इसी समय मेरा जन्म लिया है, "उसने मेरा आशीर्वाद लिया है।" इसहाक, श्लोक 37, "मैंने उसे तुम्हारा स्वामी बनाया है, एसाव। "मैंने उसके सभी रिश्तेदारों को उसका सेवक बनाया है, आदि।

"मैं क्या कर सकता हूँ?" खैर, एसाव आशीर्वाद के लिए विनती करता है, और यहाँ आशीर्वाद है। 'तुम्हारा निवास पृथ्वी के सबसे अमीर लोगों से दूर होगा,' 'स्वर्ग की ओस से दूर। 'तुम तलवार से जीने जा रहे हो।

"तुम अपने भाई की सेवा करने जा रहे हो।" 'जब तुम बेचैन हो जाओगे,' 'तुम अपनी गर्दन से उसका जूआ उतार फेंकोगे।" यह कोई बहुत सुखद आशीर्वाद नहीं है, है न? आशीर्वाद का भविष्यसूचक महत्व था। उस समय वास्तव में ऐसा था, और हम देखते हैं कि एसाव के वंशज, एदोमी, निश्चित रूप से याकूब के वंशजों, इस्राएलियों के साथ इस तरह का रिश्ता बनाए हुए हैं, और यह लंबे समय तक तनाव का स्रोत रहेगा, इसलिए यह केवल भाइयों की बात नहीं है।

खैर, इस संबंध में हमें एक और बात कहने की ज़रूरत है। बेशक, एसाव बदला लेने के लिए बाहर है, और यह बात रिबका तक पहुँचती है कि एसाव निश्चित रूप से जैकब को मारना चाहेगा, इसलिए वह उसे भागने के लिए मनाती है, जाहिर है कि वापस जाकर एक पत्नी पाने के लिए। यह इसहाक को समझाने का एक हिस्सा है।

लेकिन यहाँ असली त्रासदी पर ध्यान दें। उसे जन्मसिद्ध अधिकार और आशीर्वाद दोनों मिल गए हैं, और वह एक भगोड़े के रूप में पूरी तरह से खाली हाथ जा रहा है, और इस पूरी बात का दूसरा दुखद, बहुत मार्मिक हिस्सा यह है कि वह अपनी माँ को फिर कभी नहीं देख पाएगा। वह उसे फिर कभी नहीं देख पाएगी।

इन परिस्थितियों ने इस तरह से काम किया है कि परिवार उस समय टूट जाता है क्योंकि जैकब के लौटने से पहले ही वह मर जाएगी। इसलिए, यह पूरी तरह से एक वास्तविक पारिवारिक त्रासदी है। हाँ, ट्रेवर, यह एक बढ़िया सवाल है।

मेरा मतलब है, हमारे पास यहाँ कोई और परिदृश्य नहीं है, और इसलिए मुझे लगता है कि हमारे लिए यह कहना बहुत आसान है, ठीक है, उसे बस भगवान पर भरोसा करना चाहिए था कि सब कुछ ठीक हो जाएगा। लेकिन हममें से ज्यादातर लोग जानते हैं कि हम इस तरह से काम नहीं करते हैं, और इसलिए, उसने वास्तव में चीजों को इस तरह से व्यवस्थित किया है कि, कम से कम जहाँ तक उसका संबंध है और आशीर्वाद का क्या मतलब है, इस बारे में उसकी जागरूकता के अनुसार, वह आशीर्वाद सही व्यक्ति पर बोला जाएगा। क्या यह सही बात है? मैं इस पर कोई घोषणा करने की हिम्मत नहीं करता।

मैं आपसे बस इतना ही कहना चाहता हूँ कि धर्मग्रंथों में ऐसे स्थान हैं जहाँ जीवन बचाने के लिए झूठ बोलना उचित बात लगती है। अब, हम बाद में उन पर चर्चा करेंगे। क्या यह उस श्रेणी में आता है, मुझे यकीन नहीं है।

जिंजर। मुझे खेद है, इसे फिर से कहो। उसके पास नाम के लिए तो सब कुछ है, लेकिन वह पूरी तरह से खाली हाथ भाग रहा है, इसलिए उसे दोहरी विरासत जैसी कोई चीज नहीं मिलने वाली है, जिसका वादा किया गया है।

उसके पास कबीले में नेतृत्व नहीं है, वास्तव में उसके पास इनमें से कोई भी चीज़ नहीं है। उसके पास ये सब उसके नाम पर है; वास्तव में उसके पास ये सब नहीं है। और दिलचस्प बात यह है कि भाइयों पर शासन करने का आशीर्वाद मिलने में अभी बहुत समय लगेगा।

और, वास्तव में, उसके जीवन में ऐसा नहीं होगा। यह बाद में होने वाला है। चेल्ली।

यह एक बेहतरीन सवाल है, और मैं इसका जवाब नहीं दे सकता। मैं बस इतना कह सकता हूँ कि इन सभी परिस्थितियों में, ईश्वर मनुष्यों के साथ काम कर रहा है, और हम कमज़ोर हैं, और हम गिरे हुए हैं, और सिर्फ़ इस पारिवारिक पक्षपात की बात में, हम एक बहुत ही दिलचस्प सबक सीखते हुए देखते हैं। पक्षपात में, जो दुखद है, दुखद परिणाम देता है, और यहाँ तक कि उनके माध्यम से भी, ईश्वर काम कर सकता है।

लेकिन, आप जानते हैं, हम मनुष्य के रूप में चुनाव करने के लिए स्वतंत्र नैतिक एजेंट हैं, और अक्सर, उन चुनावों में बहुत कठिन सबक निहित होते हैं। ट्रेवर, क्या यह एक और सवाल था? हाँ, यह एक कथन है जो शास्त्र बना रहा है। और इसलिए विचार यह है, और वैसे, यह इब्रानियों 12 में भी दोहराया जाएगा।

विचार यह है कि एसाव का दृष्टिकोण जन्मसिद्ध अधिकार के बारे में गंभीरता से नहीं लिया गया था, उस अर्थ में वह इसे तुच्छ समझता था। इसलिए यह हमेशा से उसकी भावना रही है। और यह हो सकता है, मुझे यह नहीं पता, यह हो सकता है कि इसहाक ने एसाव को आशीर्वाद देने का निश्चय किया ताकि उसे कुछ मिल सके।

मेरा मतलब है, शायद यही हो सकता है कि यहाँ संतुलन बनाने के लिए कुछ किया जा रहा हो, लेकिन यह काम नहीं करता। खैर, हमने जैकब को भागते हुए देखा है। बेशक, अगली बात जो होती है वह एक बहुत ही दिलचस्प मुठभेड़ है।

वह उत्तर की ओर जाता है। हम बेथेल नामक स्थान को पहले से ही जानते हैं। और जब वह वहाँ रुकता है, तो वह एक चट्टान पर सिर रखकर रात बिताता है।

अध्याय 28 की आयत 12 कहती है कि उसने एक सपना देखा था, और उसने धरती पर एक सीढ़ी देखी जिसका शीर्ष स्वर्ग तक पहुँच रहा था, स्वर्गदूत। परमेश्वर के सेवकों की इस पूरी अर्थव्यवस्था में स्वर्गदूत क्या हैं? क्या आप जानते हैं कि इस शब्द का क्या अर्थ है? मैंने संभवतः यह प्रश्न सबसे गूढ़ तरीके से पूछा था, लेकिन अदरक। हाँ, इसका अर्थ है संदेशवाहक।

और इसलिए, हमारे पास मूल रूप से स्वर्ग और पृथ्वी के बीच ईश्वर के दूत हैं जो इस सीढ़ी पर उतर रहे हैं। याकूब को जो कुछ देखना है, उसका एक हिस्सा यह है कि ईश्वर के पास उसकी देखभाल करने के तरीके हैं। इसमें इस तरह की सुरक्षा शामिल होगी।

उसके ऊपर, या शायद उसके ऊपर, या शायद उसके बगल में, यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप उस हिब्रू पूर्वसर्ग का अनुवाद कैसे करते हैं, प्रभु खड़ा था, और उसने एक वादा किया। मैं प्रभु हूँ, तुम्हारे पिता अब्राहम का परमेश्वर, इसहाक का परमेश्वर, याकूब का परमेश्वर। मैं तुम्हें और तुम्हारे वंशजों को यह भूमि दूँगा।

और वह वंशजों की संख्या के बारे में भी बात करता है। इसलिए, यहाँ परमेश्वर का वादा दोहराया गया है। याकूब ने अपना खुद का काफी दिलचस्प उद्धरण-अनुद्धरण वादा किया है।

यह एक तरह से सशर्त है। उस अध्याय के अंत में, अगर भगवान मेरे साथ रहेंगे और मेरी देखभाल करेंगे, तो मुझे ले जाया जाएगा, मुझे खाने के लिए भोजन, पहनने के लिए कपड़े देंगे, ताकि मैं सुरक्षित रूप से अपने पिता के घर लौट जाऊँ। सभी शर्तों पर ध्यान दें।

तब प्रभु मेरा परमेश्वर होगा। यह पत्थर जो मैंने खड़ा किया है, परमेश्वर के घर में एक स्तंभ होगा। बेथेल, वैसे, बेथेल का अर्थ है परमेश्वर का घर, इसलिए हमारे पास वहाँ एक दिलचस्प एटिओलॉजी है, एक कहानी जो इस नामकरण की बात को समझाती है।

और जो कुछ तुम मुझे दोगे, उसका दसवां हिस्सा मैं तुम्हें दूँगा। ध्यान दें, आप जानते हैं, परमेश्वर का वादा बिना किसी शर्त के है। वह बस यही कह रहा है, यह इस तरह से होने वाला है।

मैंने अब्राहम और इसहाक से जो वादा किया था, वह तुम्हारे ज़रिए पूरा होने वाला है। इस बिंदु पर याकूब अभी भी थोड़ा संशयी लग रहा है। खैर, हमें एक त्वरित मोड़ भी लेना चाहिए, और यह जॉन के सुसमाचार की ओर एक त्वरित मोड़ होने वाला है।

तो, अब आपके पास अपनी बाइबल है। आइए देखें कि यूहन्ना के अध्याय 1 में क्या चल रहा है। यीशु का बपतिस्मा हो चुका है। यूहन्ना ने कहा है, देखो, परमेश्वर का मेम्ना जो जगत का पाप उठा ले जाता है।

यीशु के पहले शिष्यों ने उसे ढूँढ़ा, उसकी तलाश की और देखा कि इस व्यक्ति के साथ क्या हो रहा था। और एंड्रयू, श्लोक 40 में कहता है कि हमने मसीहा को पा लिया है। और फिर, फिर पतरस आता है।

फिर, अगले दिन, पद 43 से शुरू करते हुए, यीशु गलील जाने का फैसला करता है। वह फिलिप से कहता है, मेरे पीछे आओ। और फिर हमारे पास पद 45 में फिलिप है, जो नतनएल को ढूँढ़ता है और उससे कहता है, हमने उसे पा लिया है जिसके बारे में मूसा ने टोरा में लिखा था, जिसके बारे में भविष्यवक्ताओं ने भी लिखा था, वह नासरत का यीशु है।

अब, नतनएल एक दिलचस्प किरदार है। वह थोड़ा संशयवादी है। नाज़रेथ? क्या नाज़रेथ से कुछ अच्छा निकल सकता है? खैर, ऐसा कहने के कुछ कारण हैं।

हम इस पर चर्चा करेंगे। आप इस पर चर्चा करेंगे। संभवतः आपने न्यू टेस्टामेंट में इस पर चर्चा की होगी।

मुझे याद आता है कि आप यहाँ अनुक्रम से बाहर हैं। श्लोक 47 में ध्यान दें, यीशु कहते हैं, यहाँ एक सच्चा इस्राएली है जिसमें कुछ भी झूठ नहीं है। क्या आप वहाँ संकेत समझ रहे हैं? एक इस्राएली, याकूब का वंशज, धोखे के इस पूरे इतिहास को राष्ट्रीय महाकाव्य में शामिल करता है, अगर आप चाहें तो।

और यीशु कह रहे हैं, यह आदमी, नतनएल, एक इस्राएली है। उसमें कोई कपट नहीं है। वह जो कहता है, वह वैसा ही है।

लेकिन, ज़ाहिर है, यह कहानी का मुख्य बिंदु नहीं है। यह याकूब-इज़राइल संबंध के संदर्भ में सिर्फ़ एक अलग बात है। जब नतनएल पूछता है, तुम मुझे कैसे जानते हो? यीशु कहते हैं कि मैंने तुम्हें तब देखा था जब तुम अभी भी अंजीर के पेड़ के नीचे खड़े थे।

वहाँ सभी तरह के दिलचस्प प्रतीक हैं। और फिर नतनएल कहता है, वाह, तुम ईश्वर के पुत्र हो। तुम इस्राएल के राजा हो।

और अब यीशु कहते हैं, "क्या तुम इस पर विश्वास करते हो? तुम महान चीज़ें देखने जा रहे हो। श्लोक 51 वास्तव में, फिर से, यहाँ हमारी पंचलाइन है। मैं तुम्हें बताता हूँ, और वहाँ शब्द अब बहुवचन है।

यह सिर्फ नतनएल की बात नहीं है। मैं तुम्हें सच बताता हूँ। तुम स्वर्ग को खुला हुआ देखोगे।

और परमेश्वर के स्वर्गदूत सीढ़ियों पर ऊपर-नीचे नहीं चढ़ेंगे। वे मनुष्य के बेटे पर ही ऊपर-नीचे चढ़ेंगे। उसने अपने लिए जो नाम चुना है।

मूल रूप से कहें तो, यीशु स्वर्ग और पृथ्वी के बीच पहुँच का माध्यम बनने जा रहा है। अब, मुझे पता है कि नए नियम के संदर्भ में इसके साथ बहुत कुछ करना है, और आपने शायद अपने नए नियम की कक्षा में पहले ही ऐसा कर लिया है। लेकिन, यहाँ संबंध महत्वपूर्ण है क्योंकि याकूब का सपना, उसके निहितार्थ, और यीशु इसके साथ क्या करेगा जब वह अपने स्वयं के मिशन और मंत्रालय के संबंध में वह अविश्वसनीय वादा करता है।

खैर, जैकब चला गया। अच्छा, बहुत समय हो गया। लगभग एक पीढ़ी।

पिता के पास बहुत सारे बच्चे हैं। वैसे, जैसा कि आप वंशावली देखते हैं, मुझे लगता है कि यह निर्गमन में है। ऐसा लगता है कि जैकब के लगभग 33 बच्चे हैं।

तो, वहाँ भी बहुत सी महिलाएँ पैदा हुई हैं। हम केवल एक महिला के बारे में जानते हैं जिसका नाम दीना है क्योंकि वह शेकेम नाम के एक आदमी के साथ एक दिलचस्प झमेले में फँस जाती है। लेकिन हमारे उद्देश्यों के लिए, हम एक पल में 12 बेटों पर ध्यान केंद्रित करने जा रहे हैं।

इसमें कोई संदेह नहीं है कि याकूब, एक धोखेबाज के रूप में, और हमने अभी-अभी उसकी माँ के साथ-साथ उसके धोखे को भी देखा है, चाचा लाबान में अपने प्रतिद्वंद्वी से मिलेगा। लाबान न केवल लिआ और राहेल के बीच यह दिलचस्प बदलाव करता है, जो निश्चित रूप से पर्याप्त धोखा है और निश्चित रूप से पूरे परिवार को काफी नुकसान पहुँचाता है, बल्कि लाबान अपनी मज़दूरी को 10 बार बदलेगा, ऐसा कहा जाता है। यह भी संकेत देता है कि जब याकूब धब्बेदार और धब्बेदार और बिंदीदार भेड़ों के बारे में यह योजना प्रस्तावित करता है, तो लाबान के पास अपने स्वयं के बुरे स्वार्थी इरादे होते हैं।

लाबान ने सबसे पहले उन सभी चीज़ों को हथिया लिया जिनके बारे में याकूब ने कहा था कि मैं अपने लिए ले लूँगा, और वह उन्हें अपने लिए ले लेता है और तीन दिन के लिए, तीन दिन की यात्रा के लिए चला जाता है। तो, लाबान एक बदमाश है। वह एक बदमाश है।

अगर आप पहले से नहीं जानते तो आपको इन लोगों को जानना चाहिए। लिआ से जन्मे। रूबेन, शिमोन, लेवी, यहूदा।

उनमें से प्रत्येक का उनके लिए बहुत अलग महत्व है। रूबेन, जैसा कि आप जानते हैं, ज्येष्ठ पुत्र है। लेकिन उसके साथ क्या होता है? वह अपने ज्येष्ठ पुत्र होने के अधिकार क्यों खो देता है? वह अपने ज्येष्ठ पुत्र होने के अधिकार को खोने के लिए क्या करता है? अपने पिता की रखैल के साथ सोता है।

सही है। इसलिए, क्योंकि वह पानी की तरह अशांत है, जैसा कि उत्पत्ति के अंत में आशीर्वाद में कहा गया है, वे अधिकार हटा दिए गए हैं। वे किसके पास जाते हैं? ज्येष्ठ पुत्र के अधिकार कौन लेता है? यूसुफ।

हाँ। इस समय यूसुफ को ज्येष्ठ पुत्र होने का अधिकार मिलेगा। दूसरे शब्दों में, अगली पत्नी का ज्येष्ठ पुत्र।

क्रम में अगला नहीं, बल्कि राहेल का ज्येष्ठ पुत्र। शिमोन और लेवी को हम इसलिए जानते हैं क्योंकि दुर्भाग्य से, वे शेकेम के निवासियों का वध करके खुद को अलग पहचान देते हैं, या शेकेम, क्योंकि उनकी बहन, जो लिआ से भी पैदा हुई है, इसलिए यहाँ यह एक पूर्ण बहन है, का बलात्कार किया गया है। अब, दिलचस्प बात यह है कि उत्पत्ति के अंत में आशीर्वाद इन तीनों घटनाओं को संदर्भित करने जा रहा है।

यह कहा जाएगा कि रूबेन इसे खो देता है क्योंकि वह अशांत रहा है, अपने पिता के बिस्तर को अपवित्र करता रहा है। आशीर्वाद कहता है कि शिमोन और लेवी बिखरने वाले हैं, क्योंकि उन्होंने अपनी हिंसा में जो किया है। दिलचस्प बात यह है कि जब वे भूमि पर उतरते हैं, तो शिमोन एक तरह से बिखरे हुए होते हैं, विशिष्ट सीमाओं के साथ नहीं, बल्कि यहूदा के गोत्र के आसपास के दक्षिणी क्षेत्र में बिखरे हुए होते हैं।

लेवी के पास इस्राएल की पूरी भूमि पर फैले शहरों का एक समूह होगा। इसलिए यह आशीर्वाद, फिर से, एक भविष्यवाणी जैसा कथन बन जाता है। यहूदा।

खैर, यहूदा के साथ भी कुछ दिलचस्प परिस्थितियाँ हैं। जैसा कि आप उत्पत्ति 38 से जानते हैं, वह वही है जो वास्तव में अपनी बहू तामार के साथ अन्याय करता है क्योंकि वह उसे उसके असली व्यक्ति से वंचित करता है जो भाई के मरने पर आकर विवाह को पूरा करता। और, बेशक, जैसा कि आप जानते हैं, यहूदा के दो बेटे मर जाते हैं।

वे उसके पति के थे। उसे तीसरा भी उसे दे देना चाहिए था। यहूदा ऐसा करने से मना कर देता है क्योंकि वह डरता है।

और फिर, अगर आपको वह कहानी याद है, तो तामार खुद को मंदिर की वेश्या के रूप में पेश करती है। यहूदा उसके साथ सोता है। जब उसे पता चलता है कि वह गर्भवती है, तो वह उसे सज़ा देने के लिए जलाने ही वाला होता है, जब तक कि वह यह सबूत न दे दे कि बच्चा उसका है।

और, बेशक, दिलचस्प बात यह है कि यह उसी वंश से होकर गुज़रता है, और फिर से, उत्पत्ति 49 हमें यह बताने जा रहा है कि यहूदा के वंश के बारे में कुछ बहुत महत्वपूर्ण है, यहूदा के वंश के बारे में कुछ बहुत महत्वपूर्ण है। राजदंड उस विशेष व्यक्ति से अलग नहीं होगा। इसलिए, हम जानते हैं कि राजा यहूदा के वंश से आने वाला है।

खैर, इसाका और जबूलून का उतना महत्व नहीं है, इसलिए हमें उनके बारे में बहुत कुछ कहने की ज़रूरत नहीं है। बेशक, यूसुफ का जन्म राहेल से हुआ था, जो निःसंतान होने के कारण कई

तरह के दुखों से गुजरी थी। आखिरकार उसे यूसुफ़ होगा, और फिर वह अपने दूसरे बेटे बिन्यामीन को जन्म देकर मर जाएगी।

दासियों, दान, नफ्ताली, गाद और आशेर से जन्मे। फिर से, बस यह जान लें कि वे कौन हैं। इस समय उनके बारे में कुछ भी विशेष जानने की आवश्यकता नहीं है।

जब हम विजय के संबंध में निपटान पैटर्न के बारे में बात करना शुरू करते हैं, जो कि एक तरह से नीचे की ओर है, तो हम इसके साथ और अधिक करेंगे। खैर, छोड़ने के संदर्भ में, इतने सालों के बाद, हमारे पास पशुधन के साथ यह दिलचस्प योजना है, और आप जानते हैं क्या? मुझे यह समझ में नहीं आता कि यह कैसे काम करता है, लेकिन मैं यहाँ कुछ चीजें तस्वीर में डालना चाहता हूँ। आप इसे अपनी इच्छानुसार मैप करने का प्रयास कर सकते हैं।

सबसे पहले, जैसा कि आप इन दो अध्यायों को पढ़ते हैं, याकूब इस तथ्य का उल्लेख करने जा रहा है कि लाबान भविष्यवाणी का उपयोग करता है। यह बात सामने आती है। फिर से, आप अध्याय पढ़ें, वापस जाएँ और इसे देखें।

हमारे पास इसे देखने का समय नहीं है। इसलिए, लाबान भविष्यवाणी के इस पूरे विचार में डूबा हुआ है। और वैसे, यह संभवतः घर के देवताओं के व्यवसाय, टेराफिम से भी जुड़ा हुआ है।

दूसरा, जैसा कि मैंने कुछ समय पहले कहा था, लाबान खुद भी एक षडयंत्रकारी है। और इसलिए जब यह पूरा सौदा तय हो जाता है, तो ऐसा लगता है कि लाबान चीजों को हथियाने की कोशिश करता है। मैं आपको सुझाव दूंगा कि याकूब डंडों के सामने संभोग और इस तरह की अन्य हरकतें करके जो कर रहा है, वह लाबान की भविष्यवाणी की भावना को आकर्षित कर सकता है और लाबान को यह सोचने का मौका दे सकता है कि अरे, आप जानते हैं, यह तंत्र है।

यह एक तरह की भविष्यवाणी है। बेशक, हम बेहतर जानते हैं, है न? क्योंकि जब हम पढ़ते हैं कि याकूब अपनी पत्नियों से क्या कहता है, जब वे जा रही होती हैं, तो वह कहता है, मैंने एक सपना देखा और भगवान ने मुझे बताया। और इसलिए, याकूब जानता है कि कुछ और चल रहा है।

यह सब भगवान का ही है जो इसके पीछे है। लेकिन मुझे लगता है कि वह शायद इसे इस तरह से स्थापित कर रहा है कि लाबान को लगे कि यह एक भविष्यसूचक बात है। मुझे नहीं पता।

यह एक बहुत बड़े मुद्दे का एक बहुत ही संक्षिप्त सारांश है। किसी भी मामले में, जैसे ही वे आगे बढ़ते हैं, प्रिय राहेल टेराफिम, घरेलू देवताओं के साथ भाग जाती है। इसका क्या मतलब है, इस पर बहुत बहस हुई।

क्या इसका वास्तव में विरासत से कोई संबंध है? हो सकता है। क्या इसका वास्तव में पूजा, भविष्यवाणी और शक्ति से कोई संबंध है? हो सकता है। मुझे वास्तव में नहीं पता।

यह अपने आप में एक दिलचस्प अध्ययन है। हम देखेंगे कि जैकब उन टेरा थीम को कैसे बनाए रखता है। वे फिर से सामने आने वाले हैं।

मैं इस बारे में और भी बहुत कुछ कह सकता हूँ। लेकिन हमें आगे बढ़ते रहना होगा। इन लोगों के बीच एक आखिरी टकराव।

जैसा कि आप जानते हैं, जब याकूब भागता है, तो लाबान उसके पीछे आता है। ऐसा लगता है कि झूठ बोलने की प्रवृत्ति परिवार में घुसपैठ कर चुकी है क्योंकि राहेल इन चीजों को बनाए रखने के लिए अपने पिता से झूठ बोलेगी। अध्याय 31 की आयत 35 में, जब तम्बू की तलाशी ली जा रही थी, और वह निश्चित रूप से इन घरेलू देवताओं पर बैठी थी, तो वह कहती है, मेरे स्वामी, नाराज़ मत होइए।

मैं तुम्हारे सामने खड़ी नहीं हो सकती। मुझे मासिक धर्म चल रहा है। और, ज़ाहिर है, यह अशुद्ध होगा।

इसलिए, वह उस अर्थ में इसे छूने की हिम्मत नहीं करेगा। इसलिए, वे घर के देवताओं के साथ चले जाते हैं। जब याकूब चला जाता है, तो वह हमें बताता है, और वह लाबान को भी बताता है कि वह 20 साल से लाबान की सेवा कर रहा है।

पद 38 पिछले 20 सालों से उसकी सेवा कर रहा है। और, ज़ाहिर है, जो कुछ भी हुआ है वह उनके बीच घर्षण और तनाव का स्रोत रहा है। इसलिए, जब वे अलग-अलग रास्ते पर जाते हैं, तो लाबान पद 44 में कहता है, चलो अब, हम एक संधि, वाचा संधि करते हैं।

याद रखें, वही शब्द। तो अब वे दो बराबर व्यक्तियों के बीच एक संधि कर रहे हैं। चलो एक संधि करते हैं।

तुम और मैं इसे अपने बीच साक्षी के रूप में काम करने देते हैं। इसलिए, उन्होंने एक स्तंभ स्थापित किया। वे इसे एक नाम देते हैं।

यह तुम्हारे और मेरे बीच एक गवाह बनने जा रहा है। और वे वहाँ चले गए। और इसलिए जैकब वापस चला गया।

हालाँकि, इस समय जीवन परिपूर्ण नहीं है, क्योंकि अब उसे एसाव का सामना करना है। वह जानता है कि वह उसी दिशा में वापस जा रहा है, और यह अध्याय 32 का दूसरा भाग होने जा रहा है। मुझे थोड़ा पढ़ने दें क्योंकि यह एक आकर्षक कथा है।

आपके लिए एक और रेम्ब्रान्ट। अध्याय 32, श्लोक 22। उस रात, याकूब उठा और अपनी दो पत्नियों, दो दासियों और 11 बेटों को लेकर, जब्बोक के किले को पार किया, उन्हें नदी के पार भेज दिया, और अपनी सारी संपत्ति भेज दी।

और यह एक पूरा दल है, इसलिए यह सब करने में कुछ समय लगता है। और फिर उसे अकेला छोड़ दिया जाता है, और कहा जाता है कि एक आदमी भोर तक उसके साथ कुश्ती लड़ता रहा।

जब उसने देखा कि वह उससे जीत नहीं सकता, तो उसने जैकब के कूल्हे की हड्डी को छुआ, जिससे उसका कूल्हा मुड़ गया।

और फिर उस आदमी ने कहा, मुझे जाने दो। भोर हो चुकी है। याकूब ने कहा कि जब तक तुम मुझे आशीर्वाद नहीं दोगे, मैं तुम्हें जाने नहीं दूँगा।

आदमी ने पूछा, तुम्हारा नाम क्या है? याकूब ने कहा, याकूब। और आदमी ने कहा, तुम्हारा नाम अब याकूब नहीं रहेगा। यह इस्राएल होगा क्योंकि तुमने परमेश्वर और मनुष्यों के साथ संघर्ष किया है, और तुम विजयी हुए हो।

जैकब अपना नाम पूछता है, नाम नहीं बताता, और उस जगह को पेनीएल कहता है क्योंकि वह जानता है, जैकब जानता है, उसने ईश्वर का चेहरा देखा है। पेनीएल का यही मतलब है: ईश्वर का चेहरा या उपस्थिति। और फिर भी मेरी जान बच गई।

यहाँ कुछ दिलचस्प बातें हैं जिन्हें ध्यान में रखना चाहिए। बहुत सारे आकर्षक प्रतीकवाद चल रहे हैं। वास्तव में, यहूदी धर्म इसे ईश्वर के साथ चल रहे अपने संघर्ष के लिए एक प्रतिमान के रूप में उपयोग करता है।

यदि आप यहूदी धर्म को अच्छी तरह से जानते हैं, और आपने थोड़ा बहुत अध्ययन किया है, और आपने हेशेल और इनमें से कुछ अन्य लोगों को पढ़ा है, या आपने द चांसन को पढ़ा है, तो यहूदी धर्म एक ऐसा धर्म है जो अपने ईश्वर से जूझता है, सवाल करता है, जूझता है। और यह उस संपूर्ण जीवन स्थिति का प्रतिमान है। दूसरी बात जो वास्तव में आकर्षक है, इसके बारे में हमारी अपनी सोच के संदर्भ में, यह दर्शाता है कि ईश्वर खुद को सीमित करने के लिए तैयार है।

हमारे दृष्टिकोण से, यहाँ तक कि अवतार के बिंदु तक, जहाँ मानव जाति, मानवीय दृष्टिकोण से, यीशु पर हावी हो जाती है और उसे मौत के घाट उतार देती है। इसलिए, वहाँ भी कुछ बहुत ही रोचक संकेत चल रहे हैं। यह कुश्ती उस आदमी के साथ समाप्त होती है, जिसके बारे में हम होशे, अध्याय 12 से सीखते हैं, जो प्रभु का दूत है, और प्रभु याकूब को उस पर हावी होने देता है।

तो यह एक तरह से दाऊद के बेटे के साथ होने वाली घटना का पूर्वाभास है। खैर, नाम बदलकर इज़राइल, आशीर्वाद, और फिर भगवान को आमने-सामने देखना। मुझे पता है कि हम बहुत तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

आप कैसे हैं? मेरे साथ? ऐसा फिर नहीं होगा जब तक कि हमारे पास और अधिक बर्फ़ीले दिन न हों। मैंने पहले ही उल्लेख किया है कि मैं क्या अप्रिय गतिविधियाँ कह रहा हूँ। शिमोन और लेवी, शेकेम शहर पर बदला।

रूबेन ने अपनी उपपत्नी के साथ सोकर अपने पिता के बिस्तर को अपवित्र कर दिया। फिर, उत्पत्ति, अध्याय 36, एक वंशावली है। और आप सोच रहे हैं, मुझे लगता है कि मैं इसे छोड़ दूँगा।

बोरिंग। और सच है, वंशावली से बहुत सारी आध्यात्मिक उत्तेजना से हमें कोई परेशानी नहीं होगी। लेकिन भविष्य के संदर्भ के लिए मैं दो बातें नोट करना चाहता हूँ।

भविष्य के संदर्भ के लिए दो बातें। सबसे पहले, ध्यान दें कि एसाव, जो एदोम बनने जा रहा है, सेईर के पहाड़ी इलाके में बसने जा रहा है। यह मृत सागर या नमक सागर के दक्षिणी छोर के दक्षिण और पूर्व में है।

और फिर कुछ ऐसे नाम होंगे जिन्हें हम अपने दिमाग में हमेशा के लिए रखना चाहेंगे। आपको तुरंत उनकी ज़रूरत नहीं है, लेकिन उन्हें अपने दिमाग में हमेशा के लिए रख लें। पद 10 में एलीपज नाम के एक व्यक्ति का ज़िक्र किया गया है।

यह अय्यूब के लिए महत्वपूर्ण होने जा रहा है। श्लोक 12 में, अमालेक नामक व्यक्ति, जो अमालेकियों का पिता था, का भी उल्लेख किया जाएगा। तो बस उन दोनों पर ही ध्यान दें।

यहाँ और भी बहुत कुछ है, लेकिन उन दो को संभाल कर रखो। वे हमारे लिए महत्वपूर्ण हो सकते हैं। जैकब का अंत।

जोसेफ़ की बात करें। आइए देखें कि हम ऐसा कर सकते हैं या नहीं। यह आपके उद्देश्यों या आपके दृष्टिकोण से, अगले व्याख्यान की रूपरेखा की ओर जाता है।

और बस एक नज़र कुछ ऐसी चीज़ पर जो मुझे लगता है कि हम पहले ही देख चुके हैं। जब अब्राहम मिस्र गए थे तब ये पिरामिड पहले से ही यहाँ थे, इसलिए जाहिर है, जब इस्राएली वहाँ आएंगे तब भी ये खड़े होंगे। खैर, यहाँ हम एक और मुद्दे पर बात करने जा रहे हैं।

अगर आपने यंगब्लड को ईमानदारी से पढ़ा है तो आपने संप्रभुता के बारे में पढ़ा होगा। आपने प्राइमर में इसके बारे में पढ़ा होगा। हम यहाँ भी इसके बारे में बात करने जा रहे हैं।

यहाँ आपके निबंध प्रश्न के लिए एक और पैराग्राफ़ है। क्या यह मज़ेदार नहीं है? संप्रभुता, बेशक, हमारे सभी बाइबिल कथाओं में दिखाई देती है। मैं इसे रोक नहीं सकता, लेकिन हम इसे वास्तव में यूसुफ़ के साथ देखते हैं।

हम वास्तव में जोसेफ़ के साथ इसे देखते हैं। इसलिए इसे सामने लाना और इसके बारे में यहाँ थोड़ी बात करना महत्वपूर्ण है - थंबनेल परिभाषा।

जाहिर है, यह बड़ा और विस्तारित हो सकता है, लेकिन हमारी थंबनेल परिभाषा, जो महत्वपूर्ण है, और अगर मैं आपकी जगह होता तो मैं इसे याद रखता। इससे कोई नुकसान नहीं होगा। परमेश्वर सभी परिस्थितियों पर पूर्ण नियंत्रण रखता है क्योंकि वह उन्हें अपनी सद्भावना और प्रसन्नता के अनुसार निर्देशित करता है।

और, बेशक, रोमियों 8:28 हमारे दिमाग में आता है। सभी परिस्थितियों को, उनकी सद्भावना और खुशी के अनुसार निर्देशित करना। और, आप जानते हैं, जब हम उत्पत्ति के अंत में पहुँचते

हैं, और यूसुफ के भाई मौत से डरते हैं कि एक बार उनके पिता के दृश्य से हट जाने के बाद, वह अचानक थोड़ा बुरा हो जाएगा, यूसुफ दो बार उन्हें आश्चस्त करने जा रहा है।

और मैं आपको ये अंश पढ़ना चाहूँगा। सबसे पहले, अध्याय 45 याकूब की मृत्यु से पहले का नहीं है, लेकिन यह एक महत्वपूर्ण अध्याय है क्योंकि अब वह खुद को भाइयों के सामने प्रकट कर रहा है। और वह कहता है, मुझे यहाँ बेचने के लिए अपने आप से परेशान मत हो।

यह जीवन बचाने के लिए था कि परमेश्वर ने मुझे तुम्हारे आगे भेजा। यह श्लोक 5 है। और फिर, श्लोक 7 में, वह इसे दोहराता है। परमेश्वर ने मुझे तुम्हारे आगे भेजा ताकि तुम्हारे लिए पृथ्वी पर एक अवशेष को सुरक्षित रख सकूँ और एक महान उद्धार द्वारा तुम्हारे जीवन को बचा सकूँ।

ठीक है, आप जानते हैं, तो वह उन्हें अकाल से बचा रहा है और अकाल से मुक्ति दिला रहा है। लेकिन, ज़ाहिर है, यह एक लंबी प्रक्रिया की शुरुआत होगी जो पलायन और उस तरह के मोचन के साथ समाप्त होने जा रही है। तो, यहाँ कुछ बड़ा हो रहा है, जाहिर है।

और यूसुफ़ को परमेश्वर ने जो किया है उसके निहितार्थों के बारे में थोड़ी बहुत जानकारी है। मैं अभी अध्याय 50 और श्लोक 20 पढ़ रहा हूँ, वहाँ भी लगभग यही बात कही गई है। यूसुफ़ कहता है, तुमने मुझे नुकसान पहुँचाने का इरादा किया था।

परमेश्वर ने भलाई के लिए ऐसा किया था कि जो कुछ हो रहा है, वह पूरा हो, बहुत से लोगों की जान बच रही है। इसलिए, हमारे यूसुफ़ के आख्यान के साथ धार्मिक रूप से कुछ महत्वपूर्ण बातें ध्यान में रखनी चाहिए। एक और बात जो मैं कहना चाहता हूँ, और यही आज का सबक है।

अगर आपको ऐसा लगता है कि हम बस जल्दबाजी में काम कर रहे हैं, तो यहाँ हम थोड़ा विराम लेना चाहते हैं क्योंकि मैं आपको आश्चस्त कर सकता हूँ कि जब आप ऐसी परिस्थितियों में आते हैं जहाँ क्षमा करना बिल्कुल ज़रूरी है और आपको ऐसा करने का मन नहीं करता है, और आप सभी वहाँ से गुज़रे हैं और शायद आप सभी फिर से वहाँ जाएँगे जब चोट लगती है और भरोसा टूट जाता है और बहुत सारी व्यक्तिगत पीड़ा होती है, भगवान की मदद से, अगर हम क्षमा करते हैं, तो यह बुराई, बदसूरत कड़वाहट को जड़ से उखाड़ देगा जो अन्यथा हावी हो जाती है और केवल आपको और मुझे सड़ा देती है। इसलिए, संप्रभुता का क्या मतलब है, इस पर किसी तरह की पकड़ होना हमें यह पहचानने में मदद करता है कि भगवान इन चीज़ों का उपयोग अपने अच्छे उद्देश्यों के लिए करने जा रहे हैं, चाहे ये भयानक चीज़ें कुछ भी हों। यह हमें क्षमा करने के लिए प्रेरित कर सकता है, और यह निश्चित रूप से हमें कड़वाहट के गड्ढे से बाहर निकाल देगा।

ठीक है। खैर, उफ़, मुझे नहीं पता कि ऐसा क्यों हुआ। खैर, देखते हैं।

कोई मेरी मदद करे। ठीक है, हमें कुछ ऐतिहासिक भौगोलिक संबंध भी बनाने होंगे। सबसे पहले, ऐतिहासिक रूप से, हम सोमवार को मिस्र के बारे में और अधिक बात करने जा रहे हैं, भगवान की इच्छा से, और पूरे मिस्र के संदर्भ में क्या चल रहा है।

लेकिन हमारे उद्देश्यों के लिए, बस उस दूसरी सफ़ेद बुलेट पर ध्यान दें। इस समय अवधि के दौरान, मिस्र के उत्तर और पूर्व से आने वाले लोगों की संख्या में वृद्धि हुई थी, जिन्हें एशियाई कहा जाता था, मिस्र में। इसलिए, जैसा कि हम यूसुफ को वहाँ जाते हुए देखते हैं, वह अकेला व्यक्ति नहीं है।

अन्य एशियाई लोग भी आ रहे हैं। और सभी तरह का व्यापार आगे-पीछे हो रहा है। इश्माएली और मिद्यानी लोग इस चल रहे व्यापारिक काम का हिस्सा हैं।

आपको याद होगा कि जब हमने ऐतिहासिक भूगोल के बारे में बात की थी और मैंने मसाला व्यापार के महत्व का उल्लेख करने की कोशिश की थी। जोसेफ ने जिन मसाला व्यापारियों को खुद को बेचा था, वे अजनबी नहीं थे। यह एक चल रहा वाणिज्यिक उद्यम था।

और इसलिए, यूसुफ मसाले के व्यापारियों के साथ मिस्र की यात्रा कर रहा है। इस समय तक, कुछ पीढ़ियों के मामले पर ध्यान दें, इश्माएल के ये वंशज, मिद्यान के वंशज, कई गुना बढ़ गए हैं। याद रखें, वे अब्राहम के दो बेटे थे।

इतना तो है कि उनके पास एक कबीला है जो इस अर्ध-खानाबदोश मसाला व्यापार उद्यम में काम कर रहा है, ठीक है, अगली चीज़ जो हम करने जा रहे हैं वह है एक नक्शा देखना। यह एक पल में आ रहा है क्योंकि, जैसा कि आप कथा जानते हैं, जोसेफ को डोथन नामक स्थान पर बेच दिया जाता है।

यह फिर से हो रहा है। कुछ अजीब है। ठीक है, यहाँ हम क्या देखना चाहते हैं।

हेब्रोन वह जगह है जहाँ परिवार रहता है, बड़ा विस्तृत परिवार। यह यहाँ से ठीक नीचे नक्शे से बाहर है। ऐसा लगता है कि अब गर्मी का मौसम खत्म होने वाला है।

हमारे मौसम के सिद्धांतों को याद रखें? जितना दक्षिण की ओर, उतना ही सूखा। जितना पूर्व की ओर, उतना ही सूखा। इसलिए, गर्मियों में जब बारिश नहीं होती, तो आप अधिक फसलें प्राप्त करने के लिए उत्तर की ओर पलायन करने वाले हैं, आदि।

यहाँ शेकेम स्थित है, ठीक यहीं। यहीं पर यूसुफ ने बाकी भाइयों को ढूँढ़ने की कोशिश की। और उसे क्या बताया गया? ओह, वे दोतान की ओर बढ़ गए हैं।

डोथन यहीं है, ठीक यहीं। दरअसल, मुझे उस तीर को थोड़ा नीचे रखना चाहिए था। तो वे और भी दूर उत्तर और पश्चिम में चले गए हैं।

वे शेकेम से यहाँ दोतान तक चले गए हैं, ठीक वहीं। अब, यह इतना महत्वपूर्ण क्यों है? अच्छा, क्या आपको हमारा अंतर्राष्ट्रीय तटीय राजमार्ग याद है? कुछ हद तक। अंतर्राष्ट्रीय तटीय राजमार्ग मिस्र से तटीय मैदान तक आ रहा है, और अपना रास्ता बना रहा है।

इसे माउंट कार्मेल रेंज से होकर जाना होगा। इसे करने के तीन रास्ते हैं। एक यहाँ से जाता है।

एक यहाँ जाता है। दूसरा इस तरफ घूमता है। फिर यह इस तरह से बंद हो जाएगा।

दूसरी बात जो आपको याद रखने की ज़रूरत है वह है ट्रांसजॉर्डनियन हाईवे। तीसरी बात जो आपको याद रखने की ज़रूरत है वह यह है कि आपके पास ट्रांसजॉर्डनियन हाईवे को जोड़ने वाला एक ट्रंक रूट है, जो मसाले के व्यापार को सीधे इस तरह से जोड़ता है, जो डोथन से गुज़रता है और मिस्र तक जाता है। ईश्वर की संप्रभुता में, भूगोल भी इस तरह से काम करता है कि यूसुफ वहाँ एक कुएँ में बैठा है क्योंकि उन्होंने फैसला किया है कि उन्हें उसे मारना नहीं चाहिए और खुद को मिस्र जाने वाले व्यापारियों के इस कारवां को बेचना चाहिए।

परमेश्वर के सर्वोच्च उद्देश्य इसे भलाई के लिए काम कर रहे हैं। कुछ साहित्यिक मुद्दे ध्यान देने योग्य हैं। बस इस कहानी पर ध्यान दें।

जब हम सेमेस्टर के अंत में एस्तेर की पुस्तक के बारे में बात करना शुरू करेंगे, तो हम वापस आकर इस पर थोड़ा सा विचार करेंगे। इसमें कुछ समानताएँ हैं। और फिर आपके पुराने नियम के समानांतरों में, अनुबिस और बाटा हैं।

मैं यहूदा की कहानी पर ज़्यादा विस्तार से नहीं लिखूँगा। वास्तव में, मैंने वह सब कुछ कह दिया है जो मैं इसके बारे में कहने जा रहा हूँ। आम तौर पर, मैं बहुत सारे सवाल पूछता हूँ कि यह यहाँ क्यों है? यह अध्याय 37 में क्यों बाधा डालता है? एक शरारती बच्चे के रूप में यूसुफ की कहानी।

और फिर आपको 38 में यहूदा की कहानी मिलती है, और फिर यह यूसुफ के साथ शुरू होती है। लेकिन आप इसके बारे में सोच सकते हैं। वाह, यह इस पूरे रास्ते में ऐसा कर रहा है।

टेड, क्या तुम मुझे यह बताने में मदद कर सकते हो कि मेरा पावरपॉइंट ऐसा क्यों कर रहा है? मैंने पहले कभी ऐसा नहीं किया। हमारे पास एक मिनट है। मैं तैयारी के संदर्भ में इस बारे में सोचना चाहता हूँ, कैदी।

यह सब आपके व्याख्यान की रूपरेखा में है। आप इन कहानियों को जानते हैं। ये जोसेफ के बारे में बहुत अच्छी कहानियाँ हैं।

इस लंबे वस्त्र के बारे में सोचें। आइए वस्त्र पर ध्यान केंद्रित करें। विरासत के बारे में वह बात याद करें जिसके बारे में हमने बात की थी जब परमेश्वर ने आदम और हव्वा को यह संकेत देने के लिए कपड़े पहनाए थे कि वह वास्तव में उन्हें बच्चों के रूप में पहचान रहा है? वस्त्र महत्वपूर्ण हैं।

यह वस्त्र उससे भी बढ़कर है। यह एक विशेष शब्द है। यह हिब्रू बाइबिल में केवल डेविड की बेटियों में से एक के संदर्भ में दिखाई देता है, जिस कहानी पर हम बाद में चर्चा करेंगे जब हम डेविड के बारे में बात करेंगे।

इस वस्त्र के बारे में कुछ उल्लेखनीय बात है, और निश्चित रूप से विचार यह है कि यह संभवतः इस तथ्य का प्रतीक है कि यूसुफ को अब ज्येष्ठ पुत्र होने का अधिकार मिल गया है। और अगर

वह इसे दिखा रहा है तो यह उसके भाइयों को बहुत खुश नहीं करेगा, खासकर तब जब उसके कुछ बड़े भाई हैं। खैर, हमारे पास सपने भी हैं, जो संकेत देते हैं कि वे सभी उनके सामने झुकने वाले हैं।

यह बहुत अच्छा नहीं लगता। अंत में, हम देखेंगे कि डोटन में क्या होता है। जब आप उन कहानियों को पढ़ते हैं और बताते हैं कि वह पोतीफर का पसंदीदा गुलाम भी है, तो निश्चित रूप से, पोतीफर की पत्नी उसे इतना पसंद करती है कि वह उसे फंसाती है, उसे मुसीबत में डालती है, और फिर वह एक कैदी बन जाता है।

और एक कैदी के रूप में, उसे फिर से सपनों की व्याख्या करने के कई अवसर मिलते हैं। सपनों में यूसुफ पर ध्यान दें। दो-पन पर ध्यान दें।

इन दो सपनों में दो गवाह हैं। फिरौन के कई सपने थे, पिलानेवाले और पकानेवाले के कई सपने थे, और पहले यूसुफ के भी कई सपने थे।

फिरौन को शासक पद पर नियुक्ति की सलाह, और हम जानते हैं कि उसके बाद क्या हुआ, है न? भाई आते हैं। आपको वह कहानी पता चल जाती है। दस बजकर दस मिनट हो चुके हैं।

मैं आपसे शुक्रवार की सुबह परीक्षा के लिए आने पर मिलूंगा। धैर्य रखने और दो पाठों को एक साथ समेटने की कोशिश करने के लिए आपका धन्यवाद। इसके बाद हम लक्ष्य पर पहुंच जाएंगे।